No. of Printed Pages : 6

BPY-004(S)

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP) (PHILOSOPHY)

Term-End Examination

00048

December, 2016

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-004(S) : RELIGIONS OF THE WORLD

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer **all** the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

(iii) Answers to questions no. 1 and 2 should be in about 400 words each.

1. What is religion ? Explain the relationship between morality and religion in detail. *20*

OR

Define religious experience. Elaborate its nature and importance. *20*

2. How would you discuss Jaina ethics ? Explain. *20*

OR

Do you think Christianity is a communitarian religion ? Explain in detail. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) What are the social and religious institutions in Sikhism ? Describe. *10*

(b) Explain the different paths of the attainment of Moksha in Hinduism. *10*

(c) Describe the beliefs and practices of Judaism. *10*

(d) Illustrate the ethical views of Buddhism. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Describe the concept of Tao. *5*

(b) What is the core teaching of Confucian ethics ? *5*

(c) Describe the Zoroastrian notion of man. *5*

(d) Write a short note on Auguste Comte's idea of religion. *5*

(e) What do you mean by the six articles of faith of Islam ? *5*

(f) Describe the tribal belief of spirit possession. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Plurality of Religion *4*

(b) Four Stages of Life in Hinduism *4*

(c) Kingdom of God *4*

(d) Four Noble Truths *4*

(e) Langar *4*

(f) Keval Jnana *4*

(g) Bhakti Yoga *4*

(h) Pantheism *4*

बी.पी.वाई.-004(S)

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

(दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-004(S) : विश्व के धर्म

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (i) ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए ।

---

1. धर्म क्या है ? नैतिकता और धर्म के मध्य सम्बन्ध की विस्तार से व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

धार्मिक अनुभव को परिभाषित कीजिए । इसकी प्रकृति एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए । *20*

2. जैन नीतिशास्त्र का विवरण आप कैसे प्रस्तुत करेंगे ? व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

क्या आप मानते हैं कि ईसाई धर्म एक सामुदायिक धर्म है ? विस्तार से व्याख्या कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(क) सिक्ख धर्म के सामाजिक एवं धार्मिक संस्थान कौन-से हैं ? वर्णन कीजिए । *10*

(ख) हिन्दू धर्म के अनुसार मोक्ष प्राप्त करने के विभिन्न मार्गों की व्याख्या कीजिए । *10*

(ग) यहूदी धर्म के मुख्य विश्वासों एवं व्यवहारों का वर्णन कीजिए । *10*

(घ) बौद्ध धर्म के नैतिक विचारों पर प्रकाश डालिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(क) ताओ के प्रत्यय का वर्णन कीजिए । *5*

(ख) कन्फ्यूशियस नीतिशास्त्र की केन्द्रीय शिक्षा क्या है ? *5*

(ग) ज़ोरोस्तू की मानव की अवधारणा का वर्णन कीजिए । *5*

(घ) ऑगस्ट कॉम्टे के धर्म सम्बन्धी विचार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । *5*

(ङ) इस्लाम के आस्था के छः विषय (कलिमा) से आप क्या समझते हैं ? *5*

(च) आत्म-आधिपत्य सम्बन्धी जनजातीय विश्वास का वर्णन कीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्ही ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों प्रत्येक में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) धार्मिक बहुलता *4*

(ख) हिन्दू धर्म की चार जीवन अवस्थाएँ *4*

(ग) ईश्वर का साम्राज्य *4*

(घ) चार आर्य सत्य *4*

(ङ) लंगर *4*

(च) केवल ज्ञान *4*

(छ) भक्ति योग *4*

(ज) सर्वेश्वरवाद *4*